mPp ek/;fed Lrj d fo|kfFk;k dh ekufld ltxrk ,o 'kSf{kd miyfC/k dk rqyukRed v/;;u

¼>kj[k.M jkT; d jkph ftyk d lnHk e½

डा० एस० पी० यादव
157 / 173 शेषपुर,
निकट राजकीय बस स्टेशन
जौनपुर (उत्तर प्रदेश)

सुमन कुमारी
शोधार्थी
वाई० बी० एन० विश्वविद्यालय,
नामकुम, राँची

1- iLrkouk

विकास के सूचकांक में मानवीय संस्कृति एवं संसाधनों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। मानवीय संसाधनो मे अध्ययनरत् विद्यार्थियों का महत्त्व अधिक होता है। वर्तमान समय में अध्ययरत् विद्यार्थी प्रायः आशंका, दुविधा, अनिश्चितता, आत्मवोधहीनता, दुश्चिंता, कुण्ठा और तनाव जैसी नकारात्मक सोच से त्रस्त और ग्रस्त है। अतः स्पष्ट है कि विद्यार्थी मानसिक सजग नहीं है जो उनकी मानसिक रूप से ऊर्जा को अद्योगामी बना रहा हैं। मानसिक रूप से असजग विद्यार्थी अपने वास्तविक उद्देश्यों को निर्धारित कर पाने में स्वयं को बहुत असहाय और असमर्थ महसूस कर रहा है जिसके कारण विद्यार्थी को शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने में सहायक अभिप्रेरणा का अभाव प्रतीत होता है। मानसिक सजगता को समृद्ध करने के लिए सहायक वातावरण उत्पन्न करके विद्यार्थियों की सुसुप्त चेतना को जागृत किया जा सकता है और उनकी सकारात्मक ऊर्जा को देश के नवनिर्माण की मुख्य धारा में शामिल करके वैश्वीकरण एवं प्रतिस्पर्धा के समय में अप्रत्याशित उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

2- ekufld ltxrk

मानसिक सजगता व्यक्ति के जीवन के सभी पक्षों में वृद्धि एवं विकास करते हैं। उच्च माध्यमिक स्तर की शिक्षा के बाद छात्र अपने सामाजिक जीवन के व्यवहारिक क्षेत्र में कदम रखता है। इस दिशा में मानसिक सजगता की भूमिका व्यक्ति के जीवन को सफल बनाने के लिए बहुत उपयोगी हो जाती है। मानसिक सजगता का सम्बन्ध मानसिक विशेषताओं से होता है जिससे व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में किसी भी विषयवस्तु को जानने एवं समझने में उत्सुक होते हैं। अतः व्यक्ति अपने समाज एवं जीवन में अलग–अलग परिस्थिति, कठिनाईयों के अनुसार समायोजन क्षमता, सीखने का तरीका, अनुभव एवं तार्किक योग्यता आदि मानसिक सजगता से ही सम्पन्न करता है।

3- 'kSf{kd miyfC/k

शिक्षण संस्थानों के अर्न्तगत अध्यापकों के माध्यम से जो भी शिक्षण क्रियाओं को संचालित किया जाता है उसके द्वारा विद्यार्थियों में ज्ञान को अर्जित करने की जानकारी प्राप्त की जाती है उसे ही उनकी शैक्षिक उपलब्धि कही जा सकती है। शैक्षिक उपलब्धि शिक्षा में होने वाले अनुभवों के परिणाम से छात्र–छात्राओं मे होनेवाले परिवर्तन को भी कहा जाता है। शैक्षिक

उपलब्धि से तात्पर्य यह है कि छात्र–छात्राओं ने शिक्षण कार्य के उपरान्त क्या–क्या और कितना सीखा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी किसी भी कार्य को कितनी अच्छी तरह कर लेता है। अतः हम निश्चित रूप से कह सकते है कि शैक्षिक उपलब्धि शिक्षण संस्थानों में अध्ययन करनेवाले विषय वस्तु में सफलता पाने एवं उस विषय वस्तु में ज्ञान तथा कौशल को विकसित करने से हैं जिसका मूल्यांकन किसी भी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम के पश्चात करते है।

4- Lkekf t d&vkfFkd vk/kkj

सामाजिक आर्थिक आधार समाज में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की प्रकिया है। सामाजिक आर्थिक आधार सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) जीवन प्रत्याशा, साक्षरता और रोजगार के स्तर जैसे संकेतकों से मापा जाता है। व्यक्ति का सामाजिक आर्थिक आधार उसके समाज में रहन–सहन के स्तर, उसके रोजगार व आय के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है। सामान्यतः उच्च सामाजिक आर्थिक आधार के विद्यार्थियों में उच्च सोच, समझ अन्य विशेषताएँ निम्न सामाजिक आर्थिक आधार के विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च होती है जो उसके शैक्षिक उपलब्धि में अधिक योगदान देती है।

5- v/;;u dh vkoश;drk

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए सीखने के अनुभवों और सृजित अवसरों के ज्ञान, कौशल एवं दृष्टिकोण के द्वारा ही विकास निर्धारित किया जाता है। कक्षा–कक्ष में छात्र अपने अनुभवों को परखने, मानसिक दुविधा को स्पष्ट करने, प्रश्नोत्तर जानने एवं समझने का प्रयास करता है लेकिन विद्यालयों में संसाधनों की कमी की वजह से सभी प्रयास पूर्ण नहीं हो पाते हैं। संसाधनों की उपलब्धता के साथ विद्यार्थियों के विकास में मानसिक सजगता का होना भी आवश्यक है। मानसिक सजगता छात्रों के शैक्षिक पक्ष से जूड़े हुए है। विद्यार्थी मूल्य के रूप में कक्षा–कक्ष में जो किया सम्पादित करते है उसे जानते समझते है जिसके कारण उनकी मानसिक सजगता से विद्याार्थियों की शैक्षणिक उपयोगिता प्रभावित होती है ये छात्रों के व्यवहार से स्पष्टः होता है।

प्रस्तुत अध्ययन की आवश्यकता इसलिए प्रतीत हुई क्योंकि सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि मानसिक सजगता एवं शैक्षिक उपलब्धि पर जो अध्ययन हुए हैं उनके निष्कर्ष विरोधी एवं अस्पष्ट परिणाम वाले है। मानसिक सजगता एवं शैक्षिक उपलब्धि के बीच क्या सम्बन्ध है मानसिक सजगता द्वारा शैक्षिक उपलब्धि कितनी प्रभावित होती है यह वर्तमान शोध अध्ययन का प्रेरक विषय है।

6- v/;;u d mÌsश;

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मानसिक सजगता एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में सुविधानुसार उद्देश्य निम्नलिखित है :–

1. उच्च सामाजिक आर्थिक आधार केउच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मानसिक सजगता का अध्ययन करना।
2. उच्च सामाजिक आर्थिक आधार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

Vol. 9, Issue: 12, December: 2021
(IJRSML) ISSN: 2321 - 2853

3. निम्न सामाजिक आर्थिक आधार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मानसिक सजगता का अध्ययन करना।
4. निम्न सामाजिक आर्थिक आधार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

7- v/;;u dh ifjdYiuk

परिकल्पना किसी की समस्या से संम्बन्धित सम्भावित समाधान पर विचार करना है। परिकल्पना के बिना शोध कार्य उद्देश्यहीन किया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है।

1. उच्च एवं निम्न सामाजिक आर्थिक आधार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की मानसिक सजगता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. उच्च एवं निम्न सामाजिक आर्थिक आधार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

8- v/;;u fof/k

शोध अध्ययन के लिए शोधार्थी को अपने अध्ययन की विधि को निश्चित करना होता है। शोध अध्ययन विधि अनुसंधान कार्य परिचालन करने का एक सशक्त माध्यम है जो समस्या की प्रकृति पर निर्भर करती है। वर्तमान समय में मनुष्य अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनेक विधियों का सृजन किया है। इन विधियों में उपयुक्त विधियों शोध समस्या की प्रकृति एवं उद्देश्य के अनुसार किया जाता है। इस शोध अध्ययन में शोधार्थी का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर की मानसिक समस्या एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अतः समस्या की प्रकृति को देखते हुए शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है जो वर्तमान समय में अधिक प्रासंगिक है।

9- tul[;k

प्रस्तुत अध्ययन में राँची जिले के उच्च माध्यमिक स्तर की कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में चयनित किया गया है।

10- U;kn'k

प्रस्तुत अध्ययन मे शोधार्थी ने राँची जिले में संचालित उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि द्वारा चयनित किया गया है।

11- i;|ä midj.k

शोधार्थी ने प्रस्तुत् शोध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक सजगता के मापन के लिए डॉ० आर० पी० श्रीवास्तव द्वारा निर्मित सामान्य मानसिक सजगता परीक्षण प्रयुक्त किया है जो कि गणतीय तर्क परिक्षण शक्ति, अंक ग्रन्थमाला, परिभाषा एवं समानार्थी विलोम सम्बन्धी आयामों पर मापन करता है।

12- lkf[;dh fof/k;k

शोधार्थी द्वारा शोध अध्ययन में आंकड़ों के विश्लेषण के लिए मध्यमान (M) मानक विचलन (SD) और टी. परीक्षण का प्रयोग किया है।

13- vkdMk dk fo'ys'k.k ,o 0;k[;k

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा आकड़ों का विश्लेषण एवं अध्ययन की व्याख्या निम्न सारणी द्वारा प्रदर्शित है।

mPp ,o fuEu lkekftd vkfFkd vk/kkj d mPp ek/;fed Lrj d fo|kfFk;k dh ekufld ltxrk d e/;eku] ekud fopyu ,o Vh- eY; eku dh lkj.kh

leg	l[;k	e/;eku	ekud fopyu	Vh- eY;	lkFkdrk
					0-01 Lrj ij
उच्च सामाजिक आर्थिक आधार	304	26.78	11.67	3.37	+ (सार्थक)
निम्न सामाजिक आर्थिक आधार	296	22.97	8.01		

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उच्च सामाजिक आर्थिक आधार पर मानसिक सजगता का मध्यमान 26.78 तथा मानक विचलन 11.67 है जबकि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की निम्न सामाजिक आर्थिक आधार पर मानसिक सजगता का मध्यमान 22.97 तथा मानक विचलन 8.01 हैं। दोनों समूहों का टी. मूल्य 3.37 है जो टी. मूल्य तालिका के सार्थकता स्तर 0.01 से अधिक है। अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर पर उच्च एवं निम्न सामाजिक आर्थिक आधार वाले विद्यार्थियों की मानसिक सजगता के मध्य सार्थक अन्तर है।

mPp ,o fuEu lkekftd vkfFkd vk/kkj d mPp ek/;fed Lrj d fo|kfFk;k dh 'kSf{kd miyfC/k d e/;eku] ekud fopyu ,o Vh- eY; eku dh lkj.kh

leg	l[;k	e/;eku	ekud fopyu	Vh- eY; eku	lkFkdrk
					0-01 Lrj ij
उच्च सामाजिक आर्थिक आधार	304	55.43	27.09	4.57	+ (सार्थक)
निम्न सामाजिक आर्थिक आधार	296	49.67	19.05		

उपरोक्त तालिका के अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उच्च सामाजिक आर्थिक आधार पर शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 53.43 तथा मानक विचलन 27.09 है जबकि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की निम्न सामाजिक आर्थिक आधार पर शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 49.67 तथा मानक विचलन 19.05 हैं। दोनों समूहों

का टी. मूल्य 4.57 है जो टी. मूल्य तालिका के सार्थकता स्तर 0.01 से अधिक हैं अर्थात् उच्च माध्यमिक स्तर पर उच्च एवं निम्न सामाजिक आर्थिक आधार वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अन्तर है।

14- 'kks/k v/;;u dk 'kSf{kd fufgrkFk

इस संसार का यथार्थ सत्य असमानता है क्योंकि सबको समान सुविधाएँ उपलब्ध न होने के कारण शिक्षा की गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों की मानसिक सजगता एवं शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित हो रही है।

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो के अभिभावक प्राप्त शोध परिणामों के लाभ उठाकर अपने बच्चे की हीन भावना कार्य उपेक्षा आदि समस्याओं को दूर कर सहयोग देने वाले कारकों का विकास कर सकते हैं।
2. प्रस्तुत शोध निष्कर्षों का लाभ उठाकर परामर्शदाता अपने छात्र–छात्राओं के द्वारा सामजस्य और सीखने सम्बन्धी समस्या का समाधान कर सकते हैं।
3. प्रस्तुत शोध परिणामों से प्रशासक के अतिरिक्त समाज सुधारक यह समझ सकेगें कि कौन सी सुविधा उपलब्ध करायी जाय जिससे विद्यार्थियों को उचित मानसिक सजगता के साथ शैक्षिक उपलब्धि का विकास सम्भव हो सके।

lUnHk xUFk lph

1. अग्रवाल, एस. के (1995). क्षिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रतीय सिद्धांत, मेरठ पब्लिसर्स
2. गुप्ता, एस. पी. (2003). सांख्यकीय विधियाँ, शारदा प्रस्तक भवन, इलाहबाद
3. गोयल, जे.सी., चोपड़ा रविकान्त ए. (1990). प्रोफाइल इंडिपेन्डेट स्टडी, द एलीमेन्टरी स्कूल टीचर्स
4. पाठक, पी.डी. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद, प्रस्तक मन्दिर, आगरा
5. शर्मा, आर. ए. (2009). शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्त्व एवं शोध प्रक्रिया आर. लाल बुक डिपो
6. Butch, M.B. (1972-78). Second Survey of Research in Education, Vol.2, NCERT, New Delhi.